सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, बुधवार, 16 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 110, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी उगलवा रही जवाब, प्रियंका कर रहीं इंतजार

» Pg12

इनसाइड चौकी में अपराधी युवक ने दारोगा पर किया हमला... » Pg04

गाजियाबाद-आगरा के कमिश्नर समेत 11 आईपीएस का तबादला

अजय मिश्रा को मिला फटे कुर्ते की अदावत का सिला

कमिश्नर का ट्रांसफर होने के बाद समर्थकों ने बजाए ढोल, सैकड़ों की संख्या में भाजपा विधायक के घर पहुंचे समर्थक

नंदकिशोर गुर्जर से फटा कुर्ता न पहनने की मांग

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी से बीजेपी विधायक नन्द किशोर गुर्जर की फाटे कुर्ते की अदावत का नतीजा यह रहा कि सरकार ने पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा को हटाते हुए उन्हें आईजी रेंज प्रयागराज बनाया गया है। कमिश्नर अजय मिश्रा का ट्रांसफर होने के बाद लोनी से बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर के घर ढोल बजाते हुए सेंकड़ो की संख्या में समर्थक पहुंचे। पुलिस कमिश्नर के ट्रांसफर के बाद अब समर्थकों ने अपने विधायक से फटा कुर्ता न पहनने की मांग की है।

दरअसल, 20 मार्च को विधायक नंद किशोर गुर्जर रामकथा कलश यात्रा निकाल रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस के साथ हुई नोकझोंक के दौरान विधायक का कुर्ता फटा था। उसी दिन से विधायक नंदकिशोर गुर्जर फटे कुर्ते में घूम हैं। बता दें कि पुलिस कमिश्नर से विवाद के बाद बीजेपी की तरफ से उन्हें कारण बताओ नोटिस भी मिला था। जिसके बाद विधायक फटे कुर्ते और नंगे पांव ही लखनऊ पहुंचे और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात कर कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया था।

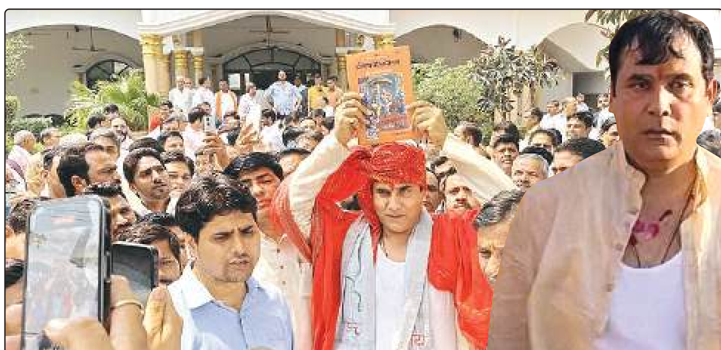

चर्चा में तनातनी और ट्रांसफर

अब गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर और भाजपा विधायक के बीच हुई तनातनी का मामला भी ट्रांसफर को लेकर राजनीतिक गलियारों में कौतूहल का विषय बना हुआ है। कहा जा रहा है कि बीजेपी विधायक से पंगा लेना पुलिस कमिश्नर को भारी पड़ा है। बता दें कि अजय कुमार मिश्रा की जगह जे रविंद्र गौड़ को गाजियाबाद का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

बाराबंकी, बुलंदशहर और बागपत के कप्तान भी बदले गए

शासन ने मंगलवार को 11 आईपीएस का तबादला कर दिया। इनमें गाजियाबाद के कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा भी शामिल है। गाजियाबाद में बीते दिनों सामने आए कई विवादों के बाद उन्हें प्रयागराज रेंज का आईजी बनाया गया है। खासकर भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने कमिश्नर के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। अजय मिश्रा को प्रयागराज का आईजी रेंज बनाया गया है। वहीं आगरा के कमिश्नर जे. रवींद्र गौड़ को गाजियाबाद का कमिश्नर बनाया गया है।

इसके अलावा आगरा के आईजी रेंज दीपक कुमार को आगरा का पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। एडीजी एटीएस नीलाब्जा चौधरी को सीआईडी भेजा गया है। प्रयागराज के आईजी रेंज प्रेम कुमार गौतम को एटीएस की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मथुरा के एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय को आगरा रेंज का आईजी बनाया गया है।

बुलंदशहर के एसपी श्लोक कुमार को मथुरा भेजा गया है। बाराबंकी के एसपी दिनेश कुमार सिंह को बुलंदशहर संभालने का जिम्मा दिया गया है। बागपत के एसपी अर्पित विजयवर्गीय को बाराबंकी की कमान सौंपी गई है। मेरठ पीएसी में तैनात सूरज कुमार राय को बागपत का एसपी बनाया गया है। भर्ती बोर्ड मे तैनात एसपी प्रेमचंद को मेरठ की पीएसी वाहिनी का सेनानायक बनाया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष से की थी कमिश्नर की शिकायत

प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान लोनी विधायक ने पुलिस कमिश्नर अजय कुमार मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाये थे। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार के दौर से ही वे कलश यात्रा निकाल रहे हैं। 2024 में भी यात्रा निकली थी। क्या कलश यात्रा निकालना अपराध है। पुलिस कमिश्नर के इशारे पर जानबूझकर यात्रा रोकी गई। इस दौरान उनके और कार्यकर्ताओं के साथ बदसलूकी की गई।

मुजफ्फरपुर — **अफरातफरी का माहौल, कई लोगों के फंसे होने की आशंका**

छह घरों में लगी भीषण आग, पांच बच्चे सहित छह जिंदा जले

दर्दनाक हादसा

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पटना। बिहार से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां मुजफ्फरपुर जिले के सकरा के रामपुरमनी इलाके में में भीषण आग लगने की घटना हुई है। इस खौफनाक आग में पांच बच्चों सहित छह लोगों के जिंदा जल जाने की खबरें आ रही हैं। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि कई लोग अभी लापता बताए जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या बच्चों की है। अगलगी में छह घर जलकर पूरी तरह राख हो गए हैं। घटना को लेकर गांव में अफरातफरी का माहौल बना है। सूचना पर पुलिस और दमकल की गाड़ियां अपनी टीम सहित मौके पर पहुंची हैं। आग बुझाने का प्रयास जारी है।

जानकारी के मुताबिक, यहां रामपुरमनी गांव में हुई अगलगी की घटना में पांच बच्चों सहित छह लोग जिंदा जल गए हैं जबकि छह घर पूरी तरह राख हो गए। अगलगी की इस घटना में कई और लोगों के फंसे होने की आशंका है। दमकम टीम मौके पर पहुंच गई है। घटना के बाद से वहां चीख-पुकार मच गई है।

बताया गया है कि बच्चे आग की लपटों में घिर कर जल गए। गांव में अफरातफरी का माहौल बना हुआ है। पीड़ित परिवार अपने बच्चों को तलाश रहे हैं। गांव की स्थिति हृदयविदारक बनी हुई है। मरने वाले तीन बच्चों का शव एक ही घर से निकला है। दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। आग बुझाने का प्रयास चल रहा है। आग कैसे लगी इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

कुछ मीडिया रिपोर्ट बताया जा रहा है कि जिला मुख्यालय से वरीय अफसर घटनास्थल पर रवाना हो चुके हैं। यह भी कहा जा रहा है कि यह आग महादलित बस्ती में लगी है। फिलहाल वहां आग बुझाने की कोशिशें जारी हैं। मृतकों की संख्या अभी बढ़ सकती है।

विद्यालय का 13वाँ स्थापना दिवस भव्य ढंग से सम्पन्न

छात्रा आज्ञा ने किया कमाल, एक पेपर छूटने के बाद भी पाया दूसरा स्थान

» मेधावी छात्राएं हुईं सम्मानित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पुरानी कहावत है कि आपका धन, सामान, जमीन-जायदाद कोई भी चुरा या छीन सकता है लेकिन नहीं छीनी जा सकती है तो आपकी शिक्षा आपकी काबिलियत आपके गुण। आप कितनी ही मुसीबत में क्यों न हों, वक्त कितना ही उल्टा क्यों न चल रहा हो आप अपनी शिक्षा और स्किल्स के बल पर उल्टे चल रहे वक्त को अपने मुफीद बना सकते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण यूपी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 3 की छात्रा आज्ञा कटियार ने कर दिखाया है। आज्ञा की एग्जाम चल रही थी कि अचानक ही उनकी दादी का देहावसान हो गया तो उस दिन का उसका पेपर छूट गया। पुन: परीक्षा करवाए जाने का स्कूल में कोई प्रावधान नहीं था, उसने पूर्व की परीक्षाओं में इतने अच्छे अंक अर्जित किए थे कि एक पेपर छूटने के बावजूद उसने स्कूल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया हालांकि प्रत्येक वर्ष वह प्रथम स्थान पर ही कायम रही है। स्कूल की तरफ से आज्ञा को 2 हजार रुपए नकद, 4 हजार की चेक, प्रशस्ति पत्र, मेडल एवं एक बुक पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई। एक पेपर छूट जाने के बाद भी दूसरा स्थान प्राप्त करना एक अद्भुत उपलब्धि है। छात्रा आज्ञा कटियार आगे और बेहतर तरीके से पढ़ाई करते हुए डॉक्टर बनना चाहती है।

उसका कहना है कि मैं अपने पिता के सपने को साकार करूंगी। डॉक्टर बनकर देश व समाज की सेवा करूंगी। वर्तमान शैक्षिक सत्र में ही आज्ञा की छोटी बहन प्रतिज्ञा कटियार का एडमिशन भी इसी स्कूल में नर्सरी कक्षा में हुआ है। आज्ञा की माँ दीप्ती कटियार प्राथमिक विद्यालय निनायाँ प्रथम सरवनखेड़ा कानपुर देहात में सहायक अध्यापिका के पद पर कार्यरत है तो वहीं उनके पिता राजेश बाबू कटियार मेडिकल स्टोर का संचालन करते हैं। उनका कहना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपार धन–संपत्ति अर्जित कर अपना मान–सम्मान और ख्याति बढ़ाने का सपना हर व्यक्ति का होता है इसी कारण से मैं अपनी दोनों पुत्रियों आज्ञा व प्रतिज्ञा को डॉक्टर बनाना चाहता हूँ। यह एक ऐसा पेशा है जिसमें सम्मान के साथ पैसा भी है।

अगर आप पढ़ लिखकर जिलाधिकारी भी बन गए तो आपका रुतबा तो होगा पर अंगूठा टेक नेताओं के आगे पीछे घूमना होगा और उनकी हां हुजूरी करनी होगी, उनके गलत कार्यों एवं नीतियों को भी सही करार देना होगा यह सब मुझे हरगिज पसंद नहीं। डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप कहा जाता है लेकिन हां, डॉक्टर को अपने पेशे के प्रति ईमानदार होना चाहिए। आजकल के कुछ चुनिंदा डॉक्टरों की तरह डकैत नहीं बनना चाहिए। हमें मानवता की सेवा को ही ईश्वर की सेवा समझना चाहिए और जीवन में असहाय व जरूरतमंदों की सेवा करने का संकल्प लेना चाहिए।

बताते चलें तात्याटोपे नगर स्थित यू पी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय का 13वाँ स्थापना दिवस एवं अलंकरण समारोह मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि विद्यालय संरक्षक निर्मल कुमार अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। छात्राओं ने ऊंची उड़ान के लिए फड़फड़ाना जरूरी है तथा आसमा को एक दिन छूकर

दिखाएंगे गीत प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया था। इसके बाद मुख्य अतिथि ने मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति, पदक एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया था साथ ही विद्यालय में दस वर्ष पूर्ण कर चुके सदस्यों को भी सम्मानित किया गया था। इस मौके पर प्रधानाचार्य उषा सेंगर, सविता बिंदल, मदन चंद्र कपूर, बद्री प्रसाद गुप्ता, राकेश कुमार अग्रवाल, सुनील गुप्ता, गिरीश भाटिया, विजय अग्रवाल, निशांत अग्रवाल, अमर नाथ गुप्ता, रज्जन लाल मिश्रा, बृजमोहन गुप्ता, अवधेश कुमार बाजपेई सहित अन्य रहे।

गोल्डी मसाले की फैक्ट्री में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

» कर्मचारियों का स्वास्थ्य चेकअप कर दी गई दवाइयां एवं सलाह

» श्री रामलला आरोग्यधाम हॉस्पिटल की ओर से गोल्डी ग्रुप में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। रावतपुर के श्री रामलला आरोग्यधाम हॉस्पिटल एवमं गोल्डी समूह के संयुक्त तत्वाधान में दादानगर नगर स्थित गोल्डी ग्रुप परिसर में नि:शुल्क अस्थि रोग परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ के.के.त्रिपाठी , डॉ एस. के.गुप्ता और डॉ. एस. के. श्रीवास्तव के नेतृत्व में हॉस्पिटल टीम के द्वारा शिविर लगाया गया। जिसमें परिसर के सभी कर्मचारी ने परीक्षण कराया । इस दौरान अनुभवी चिकित्सकों द्वारा अच्छी तरह से परीक्षण किया और फिजियोथेरेपी भी कराई । वहीं कैंप में 152 रोगियों को देखा गया कि जिसमें से 30 लोगों को पोस्चर करेक्शन के बारे में बताया गया और एक्सरसाइज भी शिखाई गयी एवं बाकी लोगों को मुफ्त में शुगर की जाँच और दवा वितरण किया गया। गोल्डी ग्रुप के डायरेक्टर सुदीप गोयनका एवं वाइस प्रेसीडेंट डॉ नमन सक्सेना ने मेडिकल टीम एवं हॉस्पिटल की सराहना की। अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ सौरभ सिंह ने बताया आगे भी इस प्रकार के कैंपों का आयोजन किया जाता रहेगा एवं मरीज हॉस्पिटल में कैंप के अलावा भी सस्ती दर पर ओपीडी एवं अन्य सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है ।इस मौके पर गोल्डी ग्रुप प्रबंधन के लोग आलोक सेठ, अभिषेक मिश्रा एवं श्री विकल्प तिवारी भी उपस्थित रहे।

कान्हा गौशाला को मिला ISO 9001-2015 प्रमाणपत्र

» नगर निगम द्वारा किशनपुर में संचालित की जा रही गौशाला में कई इंतजाम

» मेयर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त सुधीर कुमार के नेतृत्व में गौशालाओं का कुशल संचालन

» नगर निगम के सीवीओ डा. आरके निरंजन की टीम को मिली बधाई

मेयर प्रमिला पांडे को प्रमाण पत्र समर्पित करते सीवीओ डॉक्टर निरंजन

नगर आयुक्त सुधीर कुमार को प्रमाण पत्र समर्पित करते हुए

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जहां एक ओर उत्तर प्रदेश में गौशाला संचालन बड़ा चुनौती बना हुआ है। वहीं कानपुरनगर निगम की किशनपुर गौशाला को ISO 9001-2015 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है, जो कि गौ सेवा में उत्कृष्टता कि दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जाजमऊ इलाके के किशनपुर स्थित कान्हा गौशाला में 5 हजार 289 गौवंश संरक्षित हैं। कान्हा गौशाला को प्राप्त यह प्रमाण पत्र गौशाला के प्रबंधन,सेवा गुणवत्ता और संचालन प्रणाली में उच्च मानकों की पुष्टि करता है। यह उपलब्धि नगर निगम के द्वारा पशुकल्याण के प्रति समर्पण और सतत सुधार के प्रयासों का परिणाम है। ISO 9001-2015 एक अन्तराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त गुणवत्ता प्रणाली है, जो संस्थाओं को उनके संचालन में पारदर्शिता कार्यक्षमता और सेवा सुधार सुनिश्चित करने हेतु मानक प्रदान करती है।

प्रमाण पत्र निराश्रित गौवंश के वैज्ञानिक एवं सुव्यस्थित ढंग से संरक्षित करने, संरक्षित गौवंश के पशुधन प्रबंधन, भरण-पोषण और संरक्षण, वृद्व और बीमार गौवंश के चिकित्सा कार्य, गौशाला में निर्मित हो रहे गोवर के बाय प्रोडक्ट के विक्रय, गौशाला मे लगायी गयी नेपियर घास, गौशाला में संचालित हो रहे वेटनरी हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर की स्थापना एवं उसकी समुचित व्यवस्था की समीक्षा के उपरान्त गौशाला को ISO 9001-2015 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। कान्हा

गौशाला प्रदेश की दूसरी गौशाला है, जिसे ISO 9001-2015 (Quality Management System) प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।

कान्हा गौशाला में उगाई जा रही नेपियर घास

सीवीओ डॉक्टर आरके निरंजन ने बताया जिले की पहली गौशाला है जिसमें नेपियर घास का उत्पादन किया गया है। नेपियर घास का निःशुल्क वितरण जिले की विभिन्न विकास खण्डों में किया गया, जिससे वहॉ भी नेपियर घास लगायी जा सकी है। पूर्व में पशुधन मंत्री, धर्मपाल सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री, नंद गोपाल नंदी के द्वारा किशनपुर स्थित कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया गया था गौशाला की व्यवस्था की प्रशंसा भी की गयी है। कान्हा गौशाला को ढ्ढस्ह 9001-2015 प्रमाण पत्र प्राप्त होने नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। कहा कि सर्टिफिकेट नगर निगम के कर्मचारियों की प्रतिबद्वता एवं गौ सेवा के प्रति हमारी संवेदनशीलता का प्रतीक है। हम आने वाले समय में और सुधार के लिये प्रतिबद्व है। भविष्य में भी गौशालाओं के संचालन में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिये नवाचार और गुणवत्ता के उच्च मानकों को बनाये रखने के लिये निरंतर प्रयास जारी रहेंगा। महापौर प्रमिला पांडेय ने प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर कहा कि मुझे यह बताते हुये अत्यंत हर्ष हो रहा है कि नगर निगम द्वारा संचालित कान्हा गौशाला, किशनपुर को ढ्ढस्ह 9001-2015 सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ। यह न केवल हमारे शहर के लिये गर्व की बात है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि हम गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की ओर अग्रसर है। इस उपलब्धि के लिये मै नगर निगम की टीम, गौशाला के समर्पित कमचारियों, पशुचिकित्सको एवं सभी सहयोगियों को बधाई देती हूँ जिनके अथक प्रयासों से यह सम्भव हो पाया है।

गौशाला में बन रहे गोबर के बाय प्रोडक्ट

01. गोबर से निर्मित गौ-मय दीपको का निर्माण कर नगर निगम के द्वारा सम्पादित दीपोत्सव कार्यक्रम के तहत 21000 गो-मय दीपको को प्रज्जवलित किया गया था तथा खुले बाजार में विक्रय किया गया।

02. गौ-काष्ठ का निर्माण कर होली के पावन पर्व पर होलिका दहन में उपयोग किया जाता है और विक्रय भी किया जाता है।

03. उपलो का निर्माण, जिसका उपयोग जलाने वाली लकड़ी के स्थान पर किया जाता है।

04. वर्मीकम्पोस्ट का निर्माण कर खुले बाजार में विक्रय किया जाता है। उपरोक्त निर्माण के तहत 1 दर्जन से अधिक महिलाओ को रोजगार प्राप्त हो रहा है।

चौकी में अपराधी युवक ने दारोगा पर किया हमला

» चौकी के मेज पर रखी कांच को तोड़कर दरोगा पर किया हमला

» ढाबे में सिपाही से मारपीट करने का दर्ज था पहले से ही मामला

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

घायल दरोगा प्रियांशु दीक्षित

कानपुर। जहां एक ओर भाजपा सरकार के शुरुआती कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के अंदर हुए ताबड़तोड़ एनकाउंटरों की दहशत आपराधिक तत्वों के ज़हन में ऐसी बसी थी कि सालों तक उत्तर प्रदेश के अंदर किसी भी गंभीर अपराध की संरचना सामने नहीं आई थी। परंतु बीते एक वर्ष के अंदर फिर से आपराधिक तत्वों को ढील मिली हुई है जिससे वह उत्पात मचाएं हुए हैं और किसी भी बड़े अपराध को अंजाम देने के पहले पुलिस के डर को महसूस नहीं कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर आप कासगंज में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना और सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की हत्या को देख सकते हैं। अपराधिक तत्वों के हौसले पस्त न होने का खामियाजा बीते दिन कानपुर के किदवई नगर थाने में तैनात उप निरीक्षक प्रियांशु दीक्षित को तब भुगतना पड़ गया जब चौकी में मौजूद एक मनबढ़ अपराधी के द्वारा चौकी की टेबल के कांच को तोड़कर पुलिस पर ही हमला करके उसे घायल कर दिया गया।

बीते 12 अप्रैल को कन्नौज फर्रुखाबादी भोजनालय पर पुलिस पर हमला करने वाला आरोपी विजय तिवारी उर्फ प्रद्युमन अपने भाई अजय और एक लड़की के साथ भोजन करने गया था जहां किदवई नगर थाने में तैनात सिपाही सीपू चौहान अपने मित्र के साथ मौजूद था जिसका गाड़ी टच हो जाने को लेकर आरोपी विजय तिवारी से झगड़ा हो गया और उसने सिपाही के साथ मारपीट कर दी। जिसको लेकर सिपाही सीपू चौहान के द्वारा किदवई नगर थाने में आरोपी के खिलाफ मारपीट करने की तहरीर दी गई थी। उधर शातिर अपराधी भी उसके साथ मौजूद लड़की के साथ सिपाही सीपू चौहान के द्वारा छेड़छाड़ करने की फर्जी तहरीर जूही थाने में देने पहुंचा जहां से उसे आनंदपुरी पुलिस चौकी भेजा गया था। दूसरी तरफ सिपाही से मारपीट की प्राप्त तहरीर के आधार पर किदवई नगर थाने में तैनात दरोगा प्रियांशु दीक्षित मय सिपाही के पूछताछ करने को लेकर आरोपी को गिरफ्तार करने आनंदपुरी पुलिस चौकी पहुंचे। स्वयं की गिरफ्तारी को देखते हुए आपराधिक तत्व पुलिस के ऊपर भड़क उठा और उसने पुलिस चौकी की टेबल में मौजूद कांच को तोड़कर दरोगा प्रियांशु दीक्षित और उनके साथ मौजूद सिपाही पर जानलेवा हमला बोल दिया जिस पर वह दोनों बुरी तरह से घायल हो गए।

आरोपी विजय तिवारी उर्फ प्रद्युमन

एडीसीपी दक्षिण ने लिया घटना का संज्ञान

एडिशनल डीसीपी महेश कुमार के द्वारा इस पूरी घटना का संज्ञान लिया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि आपराधिक तत्व के द्वारा सर्वप्रथम एक सिपाही के साथ मारपीट की गई थी जिससे प्राप्त तहरीर के आधार पर किदवई नगर थाने की पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची थी जिसको लेकर अपराधी के द्वारा उप निरीक्षक प्रियांशु दीक्षित और एक सिपाही पर जानलेवा हमला किया है जिससे वह दोनों घायल है जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घायल दरोगा के द्वारा आरोपी के खिलाफ जान से मारने की तहरीर दी गई जिसके आधार पर मुकदमा पंजीकृत करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

पंडोखर सरकार का जन्मदिन मनाया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। दतिया जिले के ग्राम पंडोखर सरकार कानपुर शिष्य मंडल की ओर से श्री पंडोखर सरकार धाम के पीठाधीश्वर त्रिकालदर्शी श्री श्री गुरु शरण जी महाराज का जन्मदिन कानपुर शिष्य मंडल की ओर से केक काटकर मनाया गया और उनकी दीर्घ आयु की प्रार्थना की गयी। उनसे सभी के कल्याणार्थ प्रार्थना की गयी और इस शुभ अवसर पर बच्चों को मिष्ठान वितरण कर गुरु श्री गुरु शरण जी महाराज त्रिकाल दर्शी से सभी की मनोरथ सिद्ध करने की प्रार्थना की गयी। इस मौके पर पंडोखर सरकार कानपुर शिष्य मंडल के गौरव शर्मा महामंत्री उत्तर प्रदेश भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ, कानपुर कांग्रेस कमेटी अध्यछ पवन गुप्ता, अजय श्रीवास्तव, (शीलू) जीतेन्द्र गिरी आदि रहे।

सम्पादकीय

राजनीतिक मतभेद भुला प्राथमिकताएं तय हों

यह विडंबना ही है कि पंजाब में आसन्न चुनौतियों को नजरअदांज करके राजनीतिक लाभ के लिये गैरजरूरी गतिविधियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में मान सरकार द्वारा विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा के खिलाफ मामला दर्ज करना, एक अनाश्यक राजनीतिक उकसावा ही कहा जाएगा। निश्चित रूप से यह प्रकरण एक अनुचित समय पर हुआ है। आज एक बार फिर पंजाब दोराहे पर खड़ा है, जहां उसे उन ताकतों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्होंने अतीत में राज्य को भयावह संकट में धकेल कर अमन-शांति को ग्रहण लगाया था। इन ताकतों के खतरनाक मंसूबों को गंभीरता से महसूस किया जाना चाहिए। हाल के दिनों में ग्रेनेड हमलों की शृंखला शासन-प्रशासन के साथ आम लोगों को व्यथित किए हुए है। ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि के खिलाफ समय रहते सामूहिक संकल्प लेने की सख्त जरूरत है। इस वक्त पंजाब के राजनीतिक परिदृश्य में जिम्मेदार नेतृत्व की सख्त जरूरत है।

यह समय नहीं है कि राजनीतिक लाभ-हानि के गणित को दृष्टिगत रखकर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ दिखाई जाए। यदि पंजाब में सिर उठा रही आतंकवाद की नई चुनौती के खतरे को गंभीरता से लेने की बजाय, अभद्र भाषा की टिप्पणियों को प्राथमिकता दी जाएगी तो राज्य का बहुत कुछ दांव पर लगेगा। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि इस राजनीतिक विवाद में पुलिस को घसीटा जा रहा है। ऐसे चुनौती वाले समय में जब पुलिस का मनोबल बढ़ाकर उसकी पूरी ऊर्जा उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई पर केंद्रित करने की जरूरत है, जो राज्य को फिर से अतीत के उस काले दौर की ओर धकेलने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे उबरने में पंजाब के लोगों ने भारी कीमत चुकाई थी। कोई नहीं चाहेगा कि राज्य को फिर उस भयावह दौर से गुजरना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के समक्ष मौजूदा चुनौतियों और हिंसक अतीत को दृष्टिगत रखते हुए राजनीति प्रतिष्ठानों से संवेदनशील मामलों में संयमित और सावधान प्रतिक्रिया की उम्मीद की जा सकती है।लेकिन विडंबना है कि नये सिरे से पंजाब की शांति को भंग करने की कुत्सित कोशिशों के प्रति राजनीतिक दलों द्वारा गंभीर प्रतिसाद नहीं दिया जा रहा है। हाल के दिनों में राज्य में सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की सतही बयानबाजी से तो ऐसा नहीं लगता है कि राजनेताओं द्वारा चुनौतीपूर्ण स्थितियों में परिपक्वता का व्यवहार किया जा रहा हो। सवाल है कि क्या कांग्रेस नेता बाजवा को अपने बयानों को अभिव्यक्त करने में अधिक सावधान नहीं रहना चाहिए था? निस्संदेह, उन्हें गंभीरता व परिपक्वता का परिचय देना चाहिए था। सवाल यह भी है कि उनके बयानों के जबाव में क्या सरकार की ओर से मामला दर्ज किया जाना चाहिए था? निश्चित रूप से नहीं दर्ज किया जाना चाहिए था।

सरकार व समाज मिलकर निकालें समाधान

दीपक कुमार शर्मा

भारत में विश्व की 36 प्रतिशत रैबीज मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल देश में 20,000 से अधिक लोग रैबीज से मरते हैं। दरअसल, रैबीज से होने वाली मौतों में 99 प्रतिशत मामले कुत्ते काटने के होते हैं।

भारत में गली-कूचों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या एक गंभीर जन-सुरक्षा संकट बन चुकी है। हाल ही में कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने इस मुद्दे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने उठाया। उन्होंने समस्या के समाधान के लिए एक नेशनल टास्क फोर्स गठित करने की मांग की। बताया जाता है कि भारत में करोड़ों आवारा कुत्ते गंभीर चुनौती का सबब बने हुए हैं। कई शहरों में यह समस्या विकराल रूप ले चुकी है, लेकिन प्रशासन के पास इस संकट के समाधान के लिये कोई प्रभावी नीति नहीं है।

वर्ष 2012 की लाइवस्टॉक सेंसस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में करीब 1.7 करोड़ आवारा कुत्ते थे, लेकिन 2019 तक यह संख्या बढ़कर 6.2 करोड़ हो गई। कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए सरकार की एबीसी (एनीमल बर्थ कंट्रोल) योजना है, लेकिन इसे प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया जा रहा। देश में हर साल 1.75 करोड़ से अधिक लोग कुत्तों के हमलों का शिकार होते हैं। भारत में विश्व की 36 प्रतिशत रैबीज मौतें होती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल देश में 20,000 से अधिक लोग रैबीज से मरते हैं। दरअसल, रैबीज से होने वाली मौतों में 99 प्रतिशत मामले कुत्ते काटने के होते हैं।

रैबीज एक जानलेवा बीमारी है और इसका कोई इलाज नहीं है। रैबीज का एकमात्र समाधान टीकाकरण और जानवर आबादी नियंत्रण है। लेकिन भारत में 80 प्रतिशत से अधिक आवारा कुत्तों का कोई टीकाकरण नहीं होता। इसके कारण संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में गली के कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। छोटे बच्चे और बुजुर्ग इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। कुत्तों के हमले की कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें कई लोगों की जान तक चली गई। आवारा कुत्ते कचरे के ढेर में खाना खोजते हैं, जिससे गंदगी फैलती हैं। साथ ही अन्य बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ता है। खुले में भोजन की तलाश करने वाले ये कुत्ते अन्य जीव-जंतुओं पर भी हमला करते हैं, जिससे उनमें भी रैबीज फैलने का खतरा बढ़ जाता है।अब तक भारत में कोई समग्र राष्ट्रीय नीति नहीं है जो इस समस्या का समाधान कर सके। वहीं स्थानीय निकायों के पास भी इस मुद्दे से निपटने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। इसी कारण सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रधानमंत्री से नेशनल टास्क फोर्स बनाने की अपील की है। टास्क फोर्स में केंद्र, राज्य सरकारें, नगर निकाय, पशु चिकित्सा विशेषज्ञ और एनजीओ को शामिल करने की मांग की गई है। आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के लिए प्रभावी नीति बनाने के अलावा टीकाकरण कार्यक्रम को तेज करने के साथ?ही आवारा कुत्तों की नसबंदी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने की जरूरत है। सरकार को राज्य और जिला स्तर पर नसबंदी केंद्र बनाने चाहिए।डब्ल्यूएचओ के 2030 तक रैबीज मुक्त भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक टीकाकरण अभियान चलाना चाहिए। अस्पतालों में मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराई जाए। साथ?ही स्ट्रे डॉग शेल्टर बनाने के लिए अनुदान दिया जाए। एनिमल हेल्थ सेंटर बनें, जहां घायल-बीमार आवारा कुत्तों का इलाज हो सके।

मुंबई हमले की साजिश के सूत्रधार तहव्वुर-हेडली

इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल

वप्पला बालचंद्रन

अमेरिकी अदालती कार्यवाही में तहव्वुर व हेडली के बीच घनिष्ठता के सबूत मिले। राणा की ट्रैवल एजेंसी द्वारा मुहैया 'कवर' ने हेडली को वीजा देकर भारत की लगातार यात्राएं करवायीं। राणा ने हेडली को अपनी आव्रजन परामर्श फर्म का विदेशी प्रतिनिधि दिखाकर व मुंबई में कार्यालय खोलकर अंडरकवर आतंकवादी टोही अभियान चलाने में मदद की।

डेविड कोलमैन हेडली और तहव्वुर राणा की यारी तब से है, जब वे दोनों पाकिस्तान में कुलीन सैन्य शिक्षा संस्थान हसन अब्दाल कैडेट कॉलेज में साथ पढ़ते थे। आगे चलकर, तहव्वुर राणा ने हेडली की गुप्त आतंकवादी टोही गतिविधियों को 'कवर' मुहैया करवाया।

हेडली, जिसका जन्म वाशिंगटन डीसी में दाऊद गिलानी के रूप में हुआ था, वह रेडियो प्रसारक पाकिस्तानी पिता सैयद सलीम गिलानी और अमेरिकी मां सेरिल हेडली का बेटा है। डेविड बचपन में परिजनों के साथ पाकिस्तान आ बसा। उसकी मां का तलाक हो गया और सेरिल वापस अमेरिका लौट गई। वर्ष 2013 में शिकागो में उनके खिलाफ अदालती कार्यवाही से पता चलता है कि दाऊद उर्फ डेविड 'पाकिस्तानी राष्ट्रवाद और इस्लामी रूढ़िवाद के माहौल' में पला-बढ़ा। हेडली के अनुसार, भारत के प्रति उसकी नफरत 1971 में शुरू हुई, जब भारत-पाक युद्ध के दौरान कराची पर हमले के दौरान एक भारतीय बम भटककर उसके प्राथमिक स्कूल पर जा गिरा और दो लोग मारे गए।17 साल की उम्र में, हेडली अपनी पाकिस्तानी सौतेली मां से झगड़ा होने के बाद फिलाडेल्फिया में अपनी असली मां के पास लौट गया। अमेरिका, पाकिस्तान और जर्मनी में नशीली दवाओं की लत के कारण 1988 में उसका पाला कानून से पड़ा, जब उसे गिरफ्तार किया गया था। आगे चलकर, अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन एजेंसी (डीईए) ने उसे बतौर एक मुखबिर भर्ती कर लिया। 1998

में डीईए ने उसे अंडरकवर एजेंट के रूप में पाकिस्तान भेजा। उस अवधि के दौरान, उसके संबंध लश्कर-ए-तैयबा के साथ बन गए। वह बताता है कि उसने अमेरिकी अधिकारियों की अनुमति लिए बिना पाकिस्तान की यात्राएं कीं। वर्ष 2000 में उसकी मुलाकात लश्कर के आध्यात्मिक गुरु हाफ़िज़ सईद से हुई। वर्ष 2001 में उसने फिर से एक और साल के लिए डीईए के साथ 'अनुबंध साइन अप' किया। इसने उसे भारतीय उपमहाद्वीप की लगातार यात्राएं करने के मौके प्रदान किए।'प्रो-पब्लिका' के सेबेस्टियन रोटेला और अमेरिकन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर स्टीफन टैंकेल ने दुनिया के सामने 26/11 कांड के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली, उसके दोस्त तहव्वुर हुसैन राणा और आईएसआई के बीच गुप्त संबंधों को उजागर करने में मुख्य भूमिका निभाई। जिसकी हवा अमेरिकी स्रोतों ने आधिकारिक तौर इससे पहले नहीं लगने दी।2012 में नेशनल जियोग्राफ़िक चैनल द्वारा 26/11 हमले पर बनाई डॉक्यूमेंट्री 'सेकंड्स टू डिजास्टर - द मुंबई मैसेकर' में स्टीफन टैंकेल और मेरे विचार शामिल किए गए थे। उस साल वे लश्कर-ए-तैयबा पर अपनी पुस्तक 'स्टॉर्मिंग द वर्ल्ड स्टेज' का विमोचन करने मुंबई आए थे, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान की आईएसआई के बीच घनिष्ठ संबंधों का खुलासा था, जिसके वास्ते तथ्य उन्होंने 2009 में पाकिस्तान एवं भारत में वास्तविक धरातल पर किए खोज-कार्य से जुटाए थे। वर्ष 2017 में उन्होंने नेशनल प्रेस क्लब, वाशिंगटन डीसी में मेरी किताब 'कीपिंग इंडिया सेफ' पर चर्चा सत्र की अध्यक्षता की थी। सेबेस्टियन रोटेला को व्यक्तिगत रूप से मैं जून, 2013 में ही जान पाया था, जब वे पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेस के वास्ते 2011 में बनाई अपनी डॉक्यूमेंट्री 'ए परफेक्ट टैरेरिस्ट' के द्वितीय अंक के लिए मेरा इंटरव्यू रिकॉर्ड करने मुंबई आए थे। पहले अंक में हेडली का मुंबई और डेनमार्क से राब्ता कैसे बना, यह बताया गया था। वह यह जांच भी कर रहे थे कि अमेरिकी एजेंसियों ने हेडली की संलिप्तता और भारत की लगातार यात्राओं के बारे में भारतीय अधिकारियों को सतर्क क्यों नहीं किया, जबकि एक अमेरिकी राजनयिक अधिकारी ने इस्लामाबाद में उसकी पत्नी से पूछताछ करने के बाद एफबीआई, डीईए और सीआईए को इसकी सूचना दी थी।

जनवरी, 2013 में अमेरिकी शिकागो जिला न्यायालय के न्यायाधीश हैरी लीनेनवेबर ने डेविड कोलमैन हेडली को मुंबई नरसंहार की साजिश के हिस्से के तौर पर पूर्व-टोही अभियान में उसकी गहरी संलिप्तता के कारण 35 साल की जेल की सजा सुनाई। शिकागो में गवाहों में अमेरिकी लेखिका लिंडा रैग्सडेल भी शामिल थीं।

वीकेंड वीकेंड, घूमने का प्लान! अप्रैल में बनाएं यादगार ट्रिप!

पर्यटन स्थल

घुमक्कड़ लोगों के लिए अप्रैल के महीने में दो लॉन्ग वीकेंड पड़ने वाले हैं। गुड फ्राइडे पर मिल रहा है लॉन्ग वीकेंड। घूमने-फिरने के लिए बना सकते हैं प्लान। आइए आपको इस लेख में बताते हैं आप कहां घूमने जा सकते हैं।

गुड फ्राइडे का लंबा वीकेंड रोजमर्रा की भागदौड़ से थोड़ा ब्रेक लेने और आराम करने का एक बेहतरीन मौका है। चाहे आप प्रकृति में डूबना चाहते हों या किसी नए शहर की खोज करना चाहते हों या आप समुद्र तट पर आराम करना चाहते हों, यह लेख सिर्फ आपके लिए है। ट्रिप पर जाने के लिए यह एक बढ़िया समय है - न बहुत गर्मी है और न बहुत ठंडा। इस बार अप्रैल में दो वीकेंड पड़ने वाले है एक तो महावीर जयंती पर और दूसरा गुड फ्राइडे पर। आप भी घूमने लॉन्ग वीकेंड पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि कहां जाना है, तो हम आपके लिए कुछ शानदार डेस्टिनेशन लेकर आएं है जो लॉन्ग वीकेंड ट्रिप के लिए एकदम सही हैं। चाहे आप अकेले यात्रा कर रहे हों या पार्टनर के साथ या पूरे परिवार के साथ, यहां हर तरह के यात्री के लिए कुछ न कुछ है घूमने के लिए बेस्ट है।

महाबलेश्वर

आप गुड फ्राइडे वीकेंड पर महाबलेश्वर की ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। यहां के पहाड़ियों की चोटियों का आनंद ले सकते हैं। ठंडक और प्रकृतिक की सुंदरता देखने के लिए यह जगह बेहद शानदार है। यहां पर जाने की ड्राइव भी काफी रिफ्रेशिंग होगी।

हिमाचल

दो लॉन्ग वीकेंड पर आप गर्मी से बचने के लिए पहाड़ों पर घूमने जा सकते हैं। हिमाचल में आप शिमला घूमने जा सकते हैं।

यहां आपको अभी भी बर्फ देखने को मिल जाएगी। यहां पर मौजूद ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ सुंदरता में चार चांद लगा देते हैं।

चेन्नई से पुडुचेरी

लॉन्ग वीकेंड पर आप चेन्नई से पुडुचेरी ट्रिप का प्लान कर सकते हैं। बंगाल की खाड़ी के किनारे-किनारे चलने वाली खूबसूरत ईस्ट कोस्ट रोड पर ट्रिप बेहद शानदार रहेगी। यहां पर आप बीचेंज का आनंद ले सकते हैं। रॉक बीच पर आप सनसेट का आनंद ले सकते हैं।

गंगटोक

घुमक्कड लोग अक्सर नई जगहों की तलाश में रहते हैं। ऐसे में आप गंगटोक के मनमोहक पहाड़ियों का नजारे देख सकते हैं। यहां पर बर्फ से ढकी चोटियां, हरी-भरी घाटियों और घुमावदार पहाड़ी सड़कों से घिरा हुआ है। इस दौरान यहां पर आप सुहावने मौसम के साथ ही सुंदर नजारों का आनंद ले सकती हैं।

दाग़ गए, क्लीनर ने किया कमाल!

घरेलू नुस्खे

जिद्दी दागों को साफ करने के लिए आप घर पर होममेड क्लीनर बना सकते हैं। इसकी मदद से गद्दे को चमकदार, महकदार और बैक्टीरिया-फ्री बना सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको घरेलू चीजों से बने होममेड क्लीनर बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

कई बार गद्दे पर चाय, कॉफी, पसीना या फिर अन्य किसी चीज का दाग लग जाता है। ऐसे में इन जिद्दी दागों को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है।

इन दागों को साफ करने के लिए महंगे क्लीनिंग प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन फिर भी यह कारगर नहीं होता है।

ऐसे में आप घर में मौजूद कुछ चीजों से एक असरदार होममेड क्लीनर भी बना सकते हैं। आप घर पर बने होममेड क्लीनर की मदद से गद्दे को चमकदार, महकदार और बैक्टीरिया-फ्री बना सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घरेलू चीजों से बने होममेड क्लीनर बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री, बेकिंग सोडा, 1 बड़ा चम्मच, नींबू का रस- 1 बड़ा चम्मच, सफेद सिरका- 1 बड़ा चम्मच , डिश साबुन- 1 चम्मच, टूथपेस्ट, ऐसे बनाएं मैट्रेस क्लीनर, एक बाउल में नींबू का रस, बेकिंग सोडा और सफेद सिरका मिलाएं।

इसको अच्छे से मिक्स करें और इसको अधिक प्रभावी बनाने के लिए इसमें 1 चम्मच डिश साबुन मिला सकते हैं।

अब एक चम्मच की सहायता से इसको अच्छे से मिक्स करें और आप इसको गद्दे से दाग हटाने में काम ला सकते हैं।

गद्दे के दाग-धब्बों को ऐसे करें साफ सबसे पहले घर पर तैयार किए गए होममेड क्लीनर वाले पेस्ट को उस जगह पर लगाएं, जहां पर दाग पड़े हैं। फिर 10-15 मिनट तक इसको ऐसे ही लगा रहने दें। अब एक गीले कपड़े की मदद से इसको रगड़ते हुए साफ कर लें। अगर इसके बाद भी दाग ज्यों का त्यों बना हुआ है, तो इस पर एक्सपायरी टूथपेस्ट लगाकर ब्रश की सहायता से हल्का-हल्का रगड़ें।

वहीं इस प्रोसेस के बाद भी अगर जिद्दी दाग नहीं छूट रहा है, तो आप इस प्रोसेस को दोहरा सकते हैं।

प्रधानाध्यापक निसार अहमद को समारोहपूर्वक दी गई विदाई

» बोले सेवाकाल की स्मृतियां कभी न भूल पाऊंगा

» शिक्षक जगजीवन लाल यादव को बताया अपना आदर्श

संकुल पूरा के प्रधानाध्यापक निसार अहमद के विदाई समारोह में जुटे शिक्षक

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। पूर्व उच्च प्राथमिक विद्यालय पूरा प्रथम के प्रधानाध्यापक निसार अहमद के सेवानिवृत्त होने पर आज विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रवी कुमार सिंह खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं ग्राम प्रधान अभिजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रभारी प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुमन गुप्ता एवं संचालन नोडल संकुल शिक्षक देव नरायण यादव ने किया।

देव नारायण यादव ने पूर्व प्रधानाध्यापक के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में सेवानिवृत्त शिक्षक निसार अहमद ने कहा कि आज वह भले ही कन्नौज में रहते हैं लेकिन बिल्हौर क्षेत्र से उनका बहुत पुराना नाता है।

उन्होंने बीआरडी इंटर कालेज से स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी। बताया कि शिक्षक जगजीवन लाल यादव ने उन्हें गणित की शिक्षा दी थी। वह मेरे आदर्श शिक्षक है। गणित के प्रश्नों को बेहतर ढंग से समझाने के साथ – साथ समस्याओं को वह चुटकियों में हल कर देते थे। विद्यार्थियों के बीच अनुशासन को कायम रखने की उनमें विशेष काबिलियत थी। विदाई के अवसर पर वह आज बहुत याद आ रहे हैं। कहा कि उनके जैसे शिक्षकों के मार्गदर्शन से ही शिक्षक बनकर आज एक यात्रा को पूरी कर रहा हूँ। जिसकी सुखद स्मृतियां जीवन के अंतिम समय तक रहेंगी। इस कार्यक्रम का गवाह बना निसार अहमद का कार्यस्थल उच्च प्राथमिक विद्यालय जिसमें संकुल क्षेत्र के मोहित व सुमनलता सहित सभी उपस्थित शिक्षकों ने निसार अहमद को सम्मानित कर अगली जिम्मेदारियों की शुभकामनाएं दीं।

तगादा लेकर लौट रहे व्यापारी के साथ मारपीट कर लूट एवं बंधक बनाने का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

घाटमपुर। घाटमपुर कस्बा के कोटद्वार निवासी व्यापारी ने घाटमपुर थाना में शिकायत पत्र देते बताया कि वह बीती देर शाम अपने परचून के समान को लेकर हमीरपुर रोड स्थित जय गुरुदेव किराना स्टोर गया था। सामान देने के बाद अपने रुपये लेकर घर वापस आ रहा था।

आरोप है कि जय गुरुदेव किरण के बगल में रहने वाले धीरू वह वीरू पुत्र शिवराम निवासी हमीरपुर रोड श्रेया गेस्ट हाउस के पास एवं उनके चचेरे भाई जो स्योदी ललईपुर में रहते हैं के द्वारा संयुक्त रूप से उसे पर लाठी-डंडे आदि से मारपीट कर उसके पास मौजूद बैग से दस हजार रुपए छीन लिए और उससे रोड पर ही बने मकान में बंधक बनाने का प्रयास किया। जिस पर उसने घर वालों को सूचित किया।

उसके भाई के द्वारा थाना प्रभारी घाटमपुर को सूचना दी गई। परंतु फोन नहीं रिसीव किया गया। पीड़ित द्वारा थाने में शिकायत पत्र देकर धीरू व वीरू चचेरा भाई निवासी स्योदी ललईपुर रहते हैं के विरुद्ध जान से मारने व लूट करने का उपयोग दर्ज करने की गुहार लगाई गई है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि जांच में दोनो पक्षों में मारपीट की बात सामने आई है।

जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी।

3 मौतों के बाद नारामऊ में बंद किया गया कट

स्वराज इंडिया कानपुर सिटी
जीटी रोड पर भीषण सड़क हादसा
ड्राइवर समेत 3 की दर्दनाक मौत, एक शिक्षिका की हालत गंभीर
घर पर हादसे की खबर पहुंची तो मचा हड़कंप

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मंगलवार को नारामऊ में हाइवे सिटी के पास हुए भीषण हादसे के बाद प्रशासन ने यह कट बंद करवाने का फैसला कर लिया है। जेसीबी मशीन की मदद से फिलहाल यहां पर पत्थर लगाए जा रहे हैं। दोपहर तीन बजे तक रास्ता बंद किया जा चुका है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इसे पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा।

बताते चलें कि यहां पर अभी तक कई हादसे हो चुके हैं।

अधिकांश हादसे सीएनजी गैस भरवाने जाने और वापसी में गलत दिशा में लौटने के चलते हुए थे। जिसके चलते आनन फानन यह फैसला लिया गया है। मंगलवार को कार और बस की भीषण टक्कर में तीन शिक्षिकाएं और चालक घायल हो गए थे। जिनमें तीन की मौत हो गई थी।

FOLLOW UP

कानपुर रेलवे स्टेशन पर बंद पड़े पंखे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। उत्तर भारत में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और इसका असर अब रेलवे स्टेशन पर भी साफ़ नजर आने लगा है। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक पर लगे कई पंखे लंबे समय से बंद पड़े हैं। भीषण गर्मी के बीच यहां यात्री बेहाल नजर आते हैं, लेकिन संबंधित विभाग के अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर दिखाई नहीं दे रहे।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन देश के व्यस्ततम स्टेशनों में से एक है, जहां रोज़ाना 300 से अधिक ट्रेनों का आवागमन होता है। खास बात यह है कि प्लेटफार्म नंबर एक पर कई वीआईपी ट्रेनें भी रुकती हैं। इसके बावजूद मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी यात्रियों की परेशानी का कारण बन रही है।

प्लेटफार्म पर मौजूद यात्री बताते हैं

भीषण गर्मी में यात्रियों का बुरा हाल

कि न तो ठंडे पानी की समुचित व्यवस्था है और न ही पंखे काम कर रहे हैं। इससे गर्मी में ट्रेन का इंतजार करना और भी मुश्किल हो जाता है। कई यात्री अपने कपड़ों या अखबार से हवा करते नजर आते हैं, जबकि बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा परेशान होते हैं।यात्रियों का कहना है कि संबंधित विभाग को जल्द से जल्द इस ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि गर्मी से राहत मिल सके और स्टेशन पर बुनियादी सुविधाएं बेहतर की जा सकें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग को लेकर अफसर चिंतित

डीएम आलोक सिंह ने निर्माण एवं विकास कार्यो की समीक्षाकर दिए निर्देश

» सम्बन्धित विभाग, विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं की नियमित करें समीक्षा: जिलाधिकारी

» कार्यदायी संस्थायें समयान्तर्गत निर्माण कार्यो को करें पूर्ण व पोर्टल पर त्रुटि रहित आकडें करें फीड- जिलाधिकारी

» निर्माण कार्य में मानक, गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जायें

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित निर्माण एवं विकास कार्यो की समीक्षा बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने विभाग अन्तर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति लाने के निर्देश सम्बन्धित विभागों को दिये। उन्होंने कहा कि आवंटित लक्ष्य की प्राप्ति करने के साथ, योजनाओं से सम्बन्धित त्रुटि रहित आकडें पोर्टल पर फीड करें। संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत प्रगति लायी जाये।

जिलाधिकारी द्वारा बी,सी,डी,ई, श्रेणी में प्रदर्शित योजनाओं से सम्बन्धित अधिकारियों को विशेष प्रयास कर ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने पंचायतीराज, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा को ई श्रेणी, मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण, फैमली आईडी, निपुण परीक्षण आकलंन में डी श्रेणी, मनरेगा, मध्यान्ह भोजन में सी श्रेणी तथा भवन निर्माण, पर्यटन व समाज कल्याण विभाग को बी श्रेणी प्राप्त होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त हिदायत दी कि पोर्टल पर डाटा अंकित करने से पूर्व रिपोर्ट अर्थ एवं संख्याधिकारी को प्रेषित की जाये, जिसके उपरान्त ही मासिक विवरण त्रुटि रहित फीड किया जाये।

उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को बी,सी,डी,ई, श्रेणी प्राप्त करने वाले विभागों में संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा कर नियमित रूप से निरीक्षण सुनिश्चित किये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पीएम पोषण योजना के अन्तर्गत किये जाने वाले विद्यालयों के निरीक्षण कार्य में शिथिलता प्रदर्शित होने पर जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को डिस्ट्रिक कोआर्डिनेटर प्रशिक्षण का मानदेय रोकने व नियमानुसार रिन्यूवल सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने डीसी एनआरएलएम को बैंक क्रेडिट लिंकेज में शिथिलता पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिये।

तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को परियोजनाओं को समयान्तर्गत पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाऐं निर्धारित समयावधि में मानक व गुणवत्ता का पालन करते हुए कार्यो को पूर्ण करायें, सम्बन्धित विभाग निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा करें।

उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को कड़ी चेतावनी देते हुए समयवद्ध रूप से कार्य पूर्ण करायें जाने के निर्देश दिये।

उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित सड़कों का तथा मुख्य चिकित्साधिकारी को ड्रग वेयर हाउस में किये गये कार्यो का सत्यापन करायें जाने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद में संचालित पाइप पेयजल योजना के अन्तर्गत निर्मित पानी की टंकियों पर समय से विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करायें जाने के निर्देश दिये, साथ ही जिन परियोजनाओं में कार्य संचालन की स्थिति निर्धारित समयावधि को पार कर चुकी है, उन संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि भोगनीपुर में निर्माणाधीन सेतु का कार्य रेलवे स्तर पर लंबित चल रहा है, जिस पर उन्होंने कार्यदायी संस्था को उनकी ओर से पत्र लिखे जाने के निर्देश दिये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0, डीएफओ एके द्विवेदी, सीएमओ डा0 एके सिंह, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप निदेशक कृषि राम बचन राम, अर्थ एवं सख्याधिकारी प्रतिभा सिंह सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गैंग रेप मामले में तीसरी गिरफ्तारी; पकड़ा गया मुख्य आरोपी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। घाटमपुर के सजेती थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी को अगवा कर गैंग रेप करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी सत्यम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को घाटमपुर क्षेत्र के राह मोड़ से पकड़ा गया है। इससे पहले पुलिस दो अन्य आरोपियों को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। मामले में पुलिस की सक्रियता से पीड़िता के परिजनों को कुछ राहत मिली है। हालांकि अन्य अज्ञात आरोपियों की तलाश अभी भी जारी है। घटना 7 अप्रैल की रात की है। जब किशोरी खेत की ओर जा रही थी। तभी कानपुर देहात के गजनेर थाना क्षेत्र के पुरवा का पुरवा निवासी सत्यम अपने साथियों के साथ कर से आया और किशोरी को जबरन गाड़ी में बैठ कर ले गया। देर शाम तक जब किशोरी घर नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। सुबह वह घाटमपुर थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में बदवास हालत में मिली थी। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने सत्यम और अज्ञात साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

घटना की जांच के दौरान पुलिस ने पिता के बयान के आधार पर अज्योरी गांव थाना सजेती के रहने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया। अनिरुद्ध सिंह पुत्र इंद्रजीत सिंह और सत्य प्रकाश उर्फ विपिन पुत्र रमेश चंद्र को रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

पुलिस ने मुक्का आरोपी सत्यम को घाटमपुर क्षेत्र के राम मोड़ से गिरफ्तार कर लिया है पूछताछ के बाद मंगलवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है थाना इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडे ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार का जेल भेजा गया है।

राहगीरों के लिए खतरा बने हैं रोड किनारे खड़े पेड़

रामनगर सहादतगंज मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद भी नहीं हटे पेड़

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी)। वन विभाग की लापरवाही राहगीरों पर भारी पड़ रही है रामनगर सहादतगंज मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद भी सड़क पर लगे पेड़ों को हटाया नही जा सका है।

जिससे दुर्घटना की आशंका बनी है। ज्ञात हो कि रामनगर सहादतगंज सम्पर्क मार्ग का आवागमन सुगम बनाने के लिए लोकनिर्माण विभाग द्वारा सड़क मार्ग का चौड़ीकरण कार्य शुरू कराने के साथ ही जद में आने वाले पेड़ो की कटाई व छटाई के लिए वन विभाग को सूचित किया गया था। ग्रामीण रमेश कल्लू दिनेश सुभम जितेंद्र अरविंद सचिन आदि का कहना कि वन क्षेत्र रामनगर की लापरवाही का खामियाजा आने जाने वाले लोगों को भुगतना पड़ सकता है। लेकिन विभाग कान में उंगली डाले हुए बैठा है। वन विभाग की उदासीनता के चलते सड़क पर लगे छोटे बड़े सैकड़ों पेड़ अभी तक नही हटाए जा सके हैं जो दुर्घटना को दावत दे रहे है जबकि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा करवाया गया सड़क चौड़ीकरण का कार्य करीब दो माह पहले ही पूर्ण हो गया था। वन विभाग की लापरवाही के कारण इस मार्ग से निकलने वाले बड़े वाहनों को भारी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते पेड़ों की कटाई छटाई नहीं की गई तो कभी भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है।

बाराबंकी के नए पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह

देर रात 11 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कल देर रात 11 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस फेरबदल में बाराबंकी के एसपी दिनेश कुमार सिंह को बुलंदशहर का वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी जगह अर्पित विजयवर्गीय को बाराबंकी का नया पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

अर्पित विजयवर्गीय मूल रूप से राजस्थान के कोटा जिले के रहने वाले हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद वे दिल्ली गए और वहाँ तीन वर्षों तक सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी की। साल 2017 में यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उनकी पहली नियुक्ति बरेली में हुई। इसके बाद वे मुजफ्फरनगर और फिर बागपत में तैनात रहे। बागपत में उनके कार्यकाल के दौरान अपराध नियंत्रण और

नवागत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गी

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए उनकी कार्यशैली की सराहना की गई। अब बाराबंकी के नए पुलिस अधीक्षक के रूप में अर्पित विजयवर्गीय की नियुक्ति से जनपद में कानून-व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जागी हैं। स्थानीय प्रशासन और नागरिकों को उनसे सशक्त व पारदर्शी पुलिसिंग की अपेक्षा है।

शातिर अपराधी अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा (बाराबंकी)। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए नवागत पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गी के निर्देश पर बाराबंकी के बड्डूपुर थाने की पुलिस ने एक शातिर अपराधी को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर जेल रवाना कर दिया।

आपको बताते चलें कि संदिग्ध व्यक्तियों वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए बड्डूपुर पुलिस द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान दौरान अचाकापुर शहरी मोड पर संदिग्ध व्यक्ति मंसूर आलम पुत्र रियासत अली निवासी ग्राम धाधरा 21वर्ष को एक अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज करते हुए जेल को रवाना कर दिया। गिरफ्तारी पुलिस टीम में उप निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डे,हेड कांस्टेबल बालगोविंद कुशवाहा,हेड कांस्टेबल गनेश बाबू, कांस्टेबल चट्टान सिंह शामिल रहे।

निखिल टीकाराम फुंडे अयोध्या के नए डीएम

» नवागत डीएम निखिल टीकाराम फुंडे की अलग है कार्यशैली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या जिले में आने वाले नए जिलाधिकारी के बारे में हर कोई जानना चाह रहा है कि नए जिलाधिकारी कौन हैं और कहां से आ रहे हैं और अब तक कहां-कहां पर उनकी तैनाती रही है... तो हम इस बारे में आपको सबसे पहले विस्तार से बताने जा रहे हैं।

फ्स्वराज इंडियाफ्र को मिली जानकारी के अनुसार नए जिलाधिकारी का नाम निखिल टीकाराम फुंडे है। यह मूल रूप से महाराष्ट्र के नागपुर जिले के रहने वाले हैं। इनका जन्म 22 अप्रैल 1989 को हुआ था। जिलाधिकारी ने बैचलर आफ इंजीनियरिंग की डिग्री कंप्यूटर इंजीनियरिंग में ली है। इसके बाद वह सिविल सर्विस की परीक्षा में जुटे और 2014 बैच में आईएएस के रूप में चयनित हुए।

इन्होंने मसूरी में आईएएस की ट्रेनिंग 1 सितंबर 2014 से शुरू की। उसके बाद इनकी पहली पोस्टिंग असिस्टेंट मजिस्ट्रेट के रूप में झांसी में हुई, जहां पर 5 जून 2015 को इनकी तैनाती की गई थी। झांसी के बाद इनको असिस्टेंट मजिस्ट्रेट के पद पर 12 फरवरी 2016 को महोबा भेज दिया गया। इसके बाद इनकी 24 अक्टूबर 2016 को ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में बलिया जिले में तैनाती दी गई। इसके बाद वह 17 अप्रैल 2018 को झांसी में मुख्य विकास अधिकारी बना कर भेजे गए। मुख्य विकास अधिकारी के रूप में लगभग 2 साल तक सेवा देने के बाद उनकी तैनाती 14 जुलाई 2020 को आगरा जिले के मुंसिपल कमिश्नर के रूप में की गई। नगर आयुक्त के पद पर लगभग 2 साल से अधिक की सेवा उसके बाद आप चंदौली के जिलाधिकारी के पद पर रहने के बाद उनको अयोध्या जिले के जिलाधिकारी के पद पर तैनात किया जा रहा है। इनके कार्यशैली एक तेजतर्रार अधिकारी के रूप में बताई जाती है। इन्होंने आगरा नगर निगम के साथ अपने कार्यकाल के दौरान कई सराहनीय कार्य किए हैं। अब इनको अयोध्या जिले में इसी तरह के काम की उम्मीद है।

देवर ने भौजाई के पेट में मारा डंडा, मौत

» पटरंगा में घरेलू कलह ने ली जान

» भाई-भाई के विवाद में बीच-बचाव करने आई महिला पर टूटा कहर

» पुलिस ने गैरइरादतन हत्या में दर्ज किया मुकदमा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पटरंगा थाना क्षेत्र के पटरंगा गांव में पारिवारिक कलह ने खूनी मोड़ ले लिया। बुधवार को दो भाइयों के बीच हुए विवाद में बीच-बचाव करने आई भौजाई को ही देवर ने अपना गुस्सा निकालते हुए मौत के घाट उतार दिया।

घटना उस समय हुई जब 45 वर्षीय विंध्या देवी अपने देवर उदयराज पुत्र चोपई कोरी और पति के बीच चल रहे झगड़े को शांत कराने पहुंचीं।

इस दौरान विंध्या देवी और उदयराज के बीच बहस बढ़ गई, जो धीरे-धीरे हाथापाई में बदल गई। गुस्से में आकर देवर ने भौजाई के पेट में जोरदार डंडा मार दिया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ी और बेहोश हो गई।परिजनों ने आनन-फानन में विंध्या देवी को सीएचसी मवई पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए उन्हें मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया।

वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद आरोपी देवर के खिलाफ गैरइरादतन हत्या (आईपीसी 304) का मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्वराज इंडिया की खबर का असर

अयोध्या के डॉ. अरविन्द मौर्या पर लगा बड़ा दाग, जांच में दोषी पाए गए

सरकारी अस्पताल के पास डॉक्टर मौर्या चला रहे अपना क्लीनिक

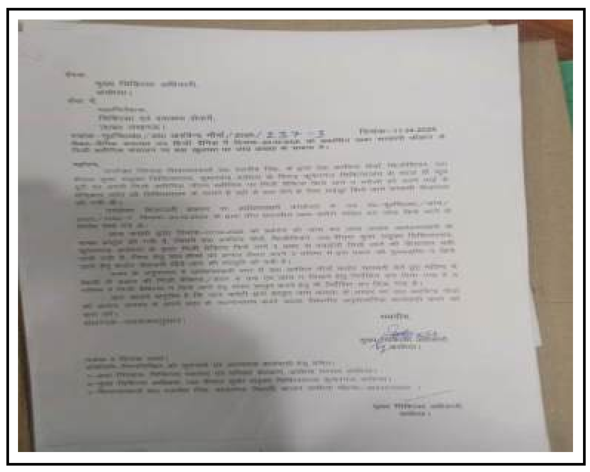

» विभागीय कार्रवाई शुरू होते ही स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कुमारगंज स्थित 100 सैय्या संयुक्त चिकित्सालय में तैनात सरकारी चिकित्सक डॉ. अरविन्द मौर्या पर लगे गंभीर आरोपों की पुष्टि हो चुकी है। जांच में सामने आया कि डॉ. मौर्या, अपनी सरकारी ड्यूटी के दौरान अस्पताल के पास ही स्थित जीवन क्लीनिक नामक निजी क्लीनिक में प्रैक्टिस कर रहे थे। यही नहीं, उन्होंने मरीजों को अपने भाई की मेडिकल शॉप से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर भी किया। इसकी शिकायत बीजेपी नेता डॉ0 रजनीश सिंह ने किया था।

स्वराज इंडिया का बड़ा सवाल

क्या जिन डॉक्टरों पर सेवा से अधिक कमाई का मोह भारी है, उनके भरोसे सुरक्षित रह पाएगी आम जनता की सेहत?

इस प्रकरण की शिकायत मिलने के बाद उच्च स्तर पर जांच कमेटी गठित की गई। जांच में आरोपों को सत्य पाया गया, जिसके बाद डॉक्टर को कठोर चेतावनी दी गई है।

साथ ही, उनके तबादले और विभागीय कार्यवाही की भी संस्तुति की गई है। इसके अलावा, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनसे भविष्य में निजी प्रैक्टिस न करने की शपथ-पत्र भी लिया गया है।

मंगेतर के सामने गैंगरेप मामले में सीएम योगी की सख्ती

एक्शन में पुलिस: आरोपियों पर अब गैंगस्टर लगाने की तैयारी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। यूपी के कासगंज में मंगेतर के सामने ही युवती से गैंगरेप के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख के बाद पुलिस एक्शन में है। आठ में से छह आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दो अन्य की तलाश में टीमें लगी हैं। इस बीच सभी आरोपियों पर गैंगस्टर लगाने की भी तैयारी हो रही है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस इस मामले में जल्द ही चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में दाखिल करने के लिए विवेचना को गति देने की कोशिश में भी लगी है।

यूपी के कासगंज में मंगेतर के सामने ही युवती से गैंगरेप के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख के बाद पुलिस एक्शन में है। आठ में से छह आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। दो अन्य की तलाश में टीमें लगी हैं। इस बीच सभी आरोपियों पर गैंगस्टर लगाने की भी तैयारी हो रही है। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस इस मामले में जल्द ही चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में दाखिल करने के लिए विवेचना को गति देने की कोशिश में भी लगी है।

मंगेतर के सामने ही गैंगरेप की घटना को पुलिस ने गंभीरता से लिया है। पुलिस एक तरफ पुलिस आरोपियों की धरपकड़ करने के लिए दबिश दे रही है तो वहीं उनपर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की तैयारी भी कर रही है। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में होने और उनकी ओर से सख्त कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिये जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा है। पूरे मामले की मॉनीटरिंग पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा खुद कर रही हैं।

इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने बताया कि घटना में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। इस मामले में विवेचना चल रही है। जल्द ही चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में दाखिल की जाएगी। आगामी दिनों में आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई पूरी करने के लिए थानास्तर पर भी निर्देश जारी किए गए हैं।

पीड़िता के बयान हुए दर्ज

गैंगरेप व लूट की घटना को लेकर पीड़िता ने मंगलवार को कोर्ट में बयान भी दर्ज कराए हैं। पुलिस कड़ी सुरक्षा के बीच पीड़िता को लेकर कोर्ट में पहुंची। इस दौरान कोर्ट परिसर में भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहे। मंगलवार को पुलिस जब गैंगरेप पीड़िता को कोर्ट में बयान दर्ज कराने के लिए पहुंची तो पहले से ही कोर्ट परिसर में व बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षा के इंतजाम थे। पुलिस पीड़िता को सीधे कोर्ट में लेकर पहुंची।

भंडारे में पहले मैं के चक्कर में हुई हत्या

खाने को लेकर विवाद, भीड़ ने हमलावर को पीटा

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। हनुमान सेतु मंदिर के बाहर भिखारियों के बीच प्रसाद वितरण के दौरान पहले मैं के चक्कर में एक भिखारी ने तीन लोगों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई. यह घटना बीते मंगलवार देर शाम हुई, जब कई लोग मंदिरों के बाहर पहुंचकर भिखारियों में प्रसाद वितरित कर रहे थे.

इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्र के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 7.30 बजे हनुमान सेतु के सामने बने पार्किंग स्थल पर कुछ लोग खाना बांट रहे थे। इस दौरान कई लोग लाइन में लग कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इस बीच एक युवक लाइन तोड़ कर पहले खाना लेने की जिद पर अड़ गया। इस पर लाइन में लगे अन्य लोगों के विरोध करने पर युवक ने चाकू निकाल कर हमला कर दिया। जिसमें बाराबंकी लक्ष्मणपुर निवासी लवकुश (30) के पेट में चाकू लगने से वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा। उसकी जान चली गई। हमलावर को पकड़ने का प्रयास करने में बाराबंकी बड्डूपुर निवासी मो. फरीद और आशियाना रुचिखंड निवासी राजन पर भी घायल हो गए। इस बीच भीड़ ने हमलावर को दबोच लिया। मामले में ऐक्शन में आई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है।

घेराव करने जा रहे कांग्रेसियों की पुलिस से तीखी झड़प

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी उगलवा रही जवाब, प्रियंका कर रहीं इंतजार

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लखनऊ। नई दिल्ली के एक व्यस्त कार्यदिवस में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दफ्तर के बाहर तनाव और उत्सुकता का माहौल है। मंगलवार को छह घंटे की लंबी पूछताछ के बाद बुधवार को एक बार फिर कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ईडी के सामने पेश हुए। उनके साथ उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं, जो दफ्तर के बाहर वेटिंग रूम में बेचैनी से इंतजार करती नजर आईं। यह दृश्य न केवल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया, बल्कि आम लोगों के बीच भी कौतूहल का केंद्र रहा।

ईडी की यह पूछताछ 2008 के हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के कथित मामले को लेकर है। रॉबर्ट वाड्रा, जो प्रियंका गांधी के पति हैं, इस मामले में पहले भी कई बार जांच एजेंसी के सवालों का सामना कर चुके हैं। मंगलवार को पूछताछ के बाद वाड्रा ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया था। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, मैं किसी भी तरह के अन्यायपूर्ण दबाव के लिए तैयार हूं। मुझे सत्य पर भरोसा है, और सत्य की जीत होगी।

सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

कांग्रेसियों ने मांग की है कि ईडी अपने आरोप वापस ले। केंद्र की मोदी सरकार तानाशाही कर रही है और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष के नेताओं का दमन कर रही है लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं और सरकार की ईंट से ईंट बजा देंगे। लखनऊ में कई जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हुई।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने को लेकर अयोध्या में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन से निकलकर कचहरी की तरफ बढ़ रहे कांग्रेसियों को कोतवाली नगर पुलिस ने रिकाबगंज चौराहे पर ही रोक दिया। रिकाबगंज चौराहे पर पहुंचकर कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह व महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि ईडी की इस कार्य की कांग्रेस निंदा करती है। राहुल गांधी सोनिया गांधी दोनों निर्दोष हैं। केंद्र सरकार के निर्देश पर ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जब तक चार्जशीट वापस नहीं होगी, पूरे देश में कांग्रेसियों का प्रदर्शन होता रहेगा।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री ने कहा कि कोई भी विपक्ष का नेता लोकसभा में पीएम मोदी का विरोध नहीं करता केवल राहुल गांधी हैं, जो लोकसभा में विरोध करने की हैसियत रखते हैं। इसीलिए जब चुनाव आता है तो केंद्र सरकार ईडी को सक्रिय कर देती है और अब बिहार का चुनाव आ रहा है तो ईडी की ओर से सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम चार्जशीट में दाखिल कर दिया गया ताकि बिहार के चुनाव में वे शामिल न हो पाएं। महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि संवैधानिक संस्था ईडी का केंद्र सरकार दुरुपयोग करती आ रही है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने कहा कि जब भी कोई चुनाव आता है केंद्र सरकार ईडी को सक्रिय कर देती है।

आज ही के दिन होनी थी शिवानी-राहुल की शादी

सास-दामाद की चर्चित जोड़ी नौ दिन बाद लौटी

दोनों पहुंचे थाने, पुलिस ने अलग-अलग बैठाया

पति को बताया नशेबाज

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले की महिला और उसके होने वाले दामाद की लव स्टोरी खासी चर्चा में है। होने वाले दामाद के साथ फरार होने वाली महिला की पुलिस ने कई राज्यों में तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। बुधवार दोपहर अचानक महिला और उसका होने वाला दामाद दादों थाने पहुंच गए। पुलिस को जानकारी दी। दरअसल, मडराक थाना क्षेत्र के एक गांव से होने वाली सास को लेकर दामाद फरार हो गया। छह अप्रैल से फरार दामाद और सास दादों थाने में दोपहर करीब 2:00 बजे पहुंचे, अब दादों पुलिस मडराक थाना पुलिस से संपर्क जुटा कर दोनों को उन्हें सौंप देगी।

पूछताछ में महिला सपना ने बताया आए दिन पति शराब पीकर मारपीट करता था। उसने पति को लेकर कई चौंकाने वाली बातें बताईं साथ ही कहा कि वह अब अपना जीवन राहुल के साथ ही बिताना है। महिला ने बताया कि बेटी की शादी राहुल के साथ तय होने के बाद जब कभी-कभी राहुल का फोन आता था तो वह राहुल से बात करती थी, इसी बात पर बेटी भी तरह-तरह के आरोप लगाती थी इसके बाद पति भी गाली गलौज करते हुए राहुल के साथ भाग जाने की धमकी देता था।

साथ ही सपना ने कहा कि वह मडराक थाने में नहीं जाएगी। दादों थाने की पुलिस से मदद चाहिए। वहीं, प्रेमी राहुल ने बताया अप्रैल में सपना अलीगढ़ से चलकर कासगंज पहुंची थी। जिसके बाद हम लोग बस में सवार होकर बरेली पहुंचे इसके बाद बिहार राज्य के जिला मुजफ्फरपुर पहुंचे। दो दिन पहले वहां मोबाइल खोल कर देखा तो सोशल मीडिया पर हम लोगों के चर्चा हो रहे थे। इसी को देखते हुए हम लोग बस में सवार होकर मुजफ्फरपुर से दिल्ली पहुंच गए। यहां से बस में बैठकर आए और राया कट पर उतरकर वहां से एक किराए पर गाड़ी करके थाने पहुंच गए।

उन्होंने यह भी बताया कि सास और होने वाला दामाद बिहार होते हुए नेपाल पहुंच गए थे, पुलिस उन्हें उत्तराखंड में तलाश करती रही। सीओ इगलास महेश कुमार ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया है कि सपना को दामाद ने मोबाइल फोन दिया था, जिसके जरिए दोनों पिछले तीन माह से घंटों घंटों बातचीत करते थे। इसके बाद सपना बहाने से घर से निकल गई। उन्होंने बताया कि युवक राहुल के पिता, बहनोई से पूछताछ के बाद उसके कुछ दोस्तों के नाम सामने आए थे।